**Seventeenth Loksabha**

an>

Title: Issue regarding problems faced by users of BSNL in Amreli Parliamentary Constituency, Gujarat.

**श्री नारणभाई काछड़िया (अमरेली):**सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से सदन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहना चाहता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र अमरेली जिला, गुजरात में बी.एस.एन.एल कंपनी की टावर्स हैं, जिसकी कवरेज की हालत अत्यधिक दयनीय है । अमरेली जिले में कुल 619 गाँव और 9 शहर हैं, इसके बावजूद यहाँ बी.एस.एन.एल. कंपनी के सिर्फ 289 टावर्स ही एक्टिव हैं ।

सभापति महोदय, अमरेली जिले में 2G के 157, 3G के 63 और 4G के 69 कुल मिलाकर 295 टावर्स हैं, जिनमें से अभी 289 टावर्स ही एक्टिव हैं और छ: टावर्स काफी दिनों से बंद हैं । मेरे क्षेत्र में तोकते तूफान के बाद से इन 289 टावर्स में से ज्यादातर टावर्स बैट्री और मशीनरी की तकनीकी खराबी के कारण बंद ही रहते हैं । वर्तमान में, करीबन 10 टावर्स आज भी  मशीनरी एवं तकनीकी कमी के चलते बंद हैं । अमरेली जिले में लैंड लाइन और ब्रांड-बैंड रिपेयरिंग कार्य के लिए प्रति मास एक किलोमीटर. ओ.एफ.सी. केबल और 40 Nos. जॉइंट की आवश्यकता रहती है, लेकिन BSNL के क्षेत्रीय मुख्यालय की ओर से उपयुक्त सामान्य, मशीनरी और केबल्स तीन-तीन महीने के बाद भी नहीं मिलते हैं, जिसके चलते अमरेली में समस्या के निवारण करने में काफी देरी हो जाती है । साथ ही अमरेली जिले में प्राइवेट, सरकारी और अर्ध सरकारी जमीन पर खड़े टावर्स का किराया तकरीबन 31 लाख रु.  से ज्यादा है, जो पिछले 11 महीनों से बाकी है जिसके चलते प्राइवेट जमीन धारक त्वरित पेमेंट करने की बात करते हैं और बी.एस.एन.एल. टावर्स हटाने की मांग कर रहे है, परन्तु उनका भुगतान नहीं हो पा रहा है  ।

सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि मेरा जिला पिछड़ा हुआ जिला है । जिले में बी.एस.एन.एल. का हेड ऑफिस है । मेरे जिले में आवश्यकता से काफी कम और काफी विलम्ब से मशीनरी एवं केबल्स दिए जा

रहे हैं, जिनके चलते मेरे क्षेत्र के लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है । अभी अमरेली बी.एस.एन.एल. ने आर्थिक तंगी और मशीनरी की कमी के कारण नए लैंड लाइन कनेक्शन देना ही बंद कर दिया है ।

अंत में, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि सभी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए अमरेली जिले में बी.एस. एन.एल से सम्बंधित सभी कमियों को दूर करें । धन्यवाद ।

**माननीय सभापति :** श्री गजानन कीर्तिकर जी ।

डॉ. मनोज राजोरिया ।